कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (29) खण्ड -{57}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बच्चे रूहानी सर्जन से अपनी बीमारी छिपाते क्यों हैं ?

A- देह अभिमान के कारण।

B- क्योंकि उन्हें सजा का डर रहता है।

C- क्योंकि उन्हें अपनी इज्जत का डर रहता है।

D- अपने झूठे स्वभाव संस्कार के कारण।

*प्रश्न 2- अटेन्शन नेचरल हो तो ..... स्वत: खत्म हो जायेगा ?*कौ

A- विकार

B- पाप

C- व्यर्थ

D- टेन्शन

*प्रश्न 3- बाबा रास्ता बताते हैं - शहर का अथवा स्वर्ग में जाने का परन्तु न समझने के कारण..... में जाकर पड़ते हैं ? *

A- नर्क

B- गाँव

C- जंगल

D- नदी

प्रश्न 4- यहाँ बैठे-बैठे भी बाबा की बुद्धि किन बच्चों तरफ रहती है?

A- बाँधेली

B- सर्विसएबुल

C- सपूत

D- वफादार

प्रश्न 5 -स्वीट होम किसे कहा जाता है।

A- शान्तिधाम

B- सूक्ष्मवतन

C- स्वर्ग

D- A,B और C

E- A और C

प्रश्न 6- बाबा ने मुरलियों में चार मुख्य धर्म बताये। उनमें से कौन एक नहीं है ।

A- इस्लामीज्म

B- क्रिश्चियनीज्म

C- बुद्धिज्म

D- जैनीज्म

E- डिटीज्म

प्रश्न 7- अन्तिम दृश्य कौन सा होगा , जिसे समझने के लिए अच्छी विशाल बुद्धि चाहिए ?

A- दुनिया को आग लगने का

B- नई दुनिया स्थापन का

C- सबके वापिस जाने का

D- परमात्मा के धरा पर आने का

प्रश्न 8- ..... वह है जो कांटों के बीच में रहते भी न्यारे और प्यारे रहते हैं ?

A- कमल पुष्प

B- रूहानी गुलाब

C- बाप समान

D- सच्चे ब्राह्मण

प्रश्न 9- अगर तुम्हें विकार सताते हैं, सर्विस भी नहीं करते तो क्या करो ?

A- श्रीमत पर चलो

B- आत्म अभिमानी होकर रहो

C- सबको आत्मा देखो

D- बाप को याद करो

प्रश्न 10- जब संकल्प में भी कोई आकर्षण आकर्षित न करे तब कहेंगें .....?

A- सम्पूर्ण निर्विकारी

B- अव्यक्त फरिश्ता

C- सम्पूर्णता की समीपता

D- तपस्वीमूर्त

प्रश्न 11- बाप को पूरा हिसाब दे, ... बन सब चिंताओं से मुक्त हो जाना है ?

A- बेफिकर

B- निश्चिंत

C- ट्रस्टी

D- निमित्त

प्रश्न 12- तपस्या का फाउण्डेशन क्या है ?

A- दिल का स्नेह

B- बेहद का वैराग्य

C- अष्ट शक्ति

D- बेहद की पवित्रता

प्रश्न 13- .....तुम्हारे गले का हार है, आत्मा का स्वधर्म है। इसलिए..... के लिए भटकने की दरकार नहीं, तुम अपने स्वधर्म में स्थित हो जाओ ?

A- पवित्रता

B- सुख

C- शान्ति

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- जहां..... है वहाँ शान्ति है ?

A- ज्ञान

B- सुख

C- पवित्रता

D- सन्तुष्टता

प्रश्न 15- बाबा का पार्ट कब से शुरू होता है ?

A- कलियुग में

B- संगमयुग में

C- द्वापरयुग में

D- सतयुग में

प्रश्न 16- बाबा तुमको त्रिकालदर्शी बनाते हैं।मनुष्य सृष्टि में एक भी त्रिकालदर्शी कोई हो न सके। त्रिकालदर्शी का अर्थ है ?

A- तीनों कालों को जानने वाला।

B- सृष्टि के आदि मध्य अंत को जानने वाला।

C- हर कार्य से पहले उसके आदि मध्य अंत को देखने वाला।

D- तीनों लोकों को जानने वाला।

भाग (29) खण्ड {57} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- C. क्योंकि उन्हें अपनी इज्जत का डर रहता है

अब दुनिया में चेंज होने वाली है। यह कोई नहीं जानते, सिवाए तुम्हारे। तुम्हारे में भी बहुत बच्चे भूल जाते हैं। अगर याद में रहें तो खुशी भी रहे, परन्तु माया एकदम भुला देती है। यह माया से लड़ाई अन्त तक चलती रहेगी। *अच्छे-अच्छे बच्चे भी जानते हैं कि हमारे से यह हो गया फिर सच नहीं बताते, इज्जत का डर रहता है।*

उत्तर 2- D. टेन्शन

बाप तुमको अखुट खजाना देते हैं। वहाँ कर्मभोग की बात ही नहीं। इस समय यहाँ जो जमा करते हैं वही पूरा वर्सा पाते हैं। यह ख्याल नहीं करना चाहिए कि चढ़ेंगे तो फिर गिरेंगे भी। जास्ती गिरे हैं तो अब तो चढ़ना ही है। *अटेन्शन नेचरल हो तो टेन्शन स्वत: खत्म हो जायेगा* ।

उत्तर 3- C. जंगल

सब बातें अच्छी तरह समझाई जाती हैं। परन्तु कई बच्चे न समझकर उल्टा रास्ता ले जंगल में जाकर पड़ते हैं। *बाबा रास्ता बताते हैं - शहर का अथवा स्वर्ग में जाने का परन्तु न समझने के कारण जंगल में जाकर पड़ते हैं।* जंगल में चले जाते हैं तो कांटे बन जाते हैं। यहाँ रहते भी रास्ता पूरा पकड़ते नहीं हैं। बीच में रह जाते हैं।

उत्तर 4- B. सर्विसएबुल

बाबा तुमको प्रैक्टिकल दिखाते हैं कि फलाने-फलाने में यह खूबी है, इनमें यह है - तब नम्बरवार याद-प्यार देते हैं। *यहाँ बैठे-बैठे भी बाबा की बुद्धि सर्विसएबुल बच्चों तरफ रहती है।* अज्ञान काल में भी आज्ञाकारी बच्चों पर प्यार रहता है। बाबा जानते हैं मेरे कौन से बच्चे अच्छी सर्विस करते हैं।

उत्तर 5- E A और C

पहले-पहले है बच्चों की रचना। बाप के बच्चे हैं ना। सब आत्मायें बाप के साथ रहती हैं। उनको कहा जाता है बाप का घर, स्वीट होम। यह कोई होम नहीं। बच्चों को मालूम है वह हमारा स्वीटेस्ट बाप है। *स्वीट होम है शान्तिधाम। फिर सतयुग भी स्वीट होम है* क्योंकि वहाँ हर घर में शान्ति रहती है।

उत्तर 6- D जैनिज्म

मुख्य हैं ही 4 धर्म - डिटीज्म, इस्लामीज्म, बुद्धिज्म और क्रिश्चियनीज्म। बाकी इनसे वृद्धि होती गई है। इन भारतवासियों को तो पता ही नहीं पड़ता कि हम किस धर्म के हैं।

उत्तर 7 - C सबके बापिस जाने का

अन्तिम दृश्य सबके वापिस जाने का है... कहा जाता है राम गयो रावण गयो... बाकी सृष्टि की सफाई करने वाले, नई दुनिया की तैयारी करने वाले थोड़े बचेंगे। हम भी जायेंगे फिर जहाँ जीत वहाँ जन्म होगा।

उत्तर 8- B रूहानी गुलाब

रूहानी गुलाब वह है जो कांटों के बीच में रहते भी न्यारे और प्यारे रहते हैं।

उत्तर 9 - D बाप को याद करो

जो संशयबुद्धि बनते हैं वह सर्विस भी नहीं कर सकते और उनसे विकारों को जीतने की मेहनत भी नहीं होती। ऐसे कमजोर बच्चों को भी रहमदिल बाप राय देते हैं बच्चे, *अगर तुम्हें विकार सताते हैं, सर्विस भी नहीं करते तो बाप को तो याद करो।*

उत्तर 10 - C सम्पूर्णता की समीपता

जब संकल्प में भी कोई आकर्षण आकर्षित न करे तब कहेंगे सम्पूर्णता की समीपता।

उत्तर 11 - C ट्रस्टी

बाप को पूरा हिसाब दे, ट्रस्टी बन सब चिंताओं से मुक्त हो जाना है। बाप के फरमान पर पूरा-पूरा चल मदद का पात्र बनना है।

उत्तर 12 - B बेहद का वैराग्य

चाहना सभी की है लेकिन चाहने वाले और करने वाले - इसमें संख्या का अन्तर है क्योंकि *तपस्या का सदा और सहज फाउन्डेशन है - बेहद का वैराग्य।* बेहद का वैराग्य अर्थात् चारों ओर के किनारे छोड़ देना क्योंकि किनारे को सहारा बना दिया है।

उत्तर 13 - C शान्ति

मीठे बच्चे - *शान्ति तुम्हारे गले का हार है, आत्मा का स्वधर्म है, इसलिए शान्ति के लिए भटकने की दरकार नहीं, तुम अपने स्वधर्म में स्थित हो जाओ''*

उत्तर 14 - C पवित्रता

शान्ति स्वधर्म में स्थित होने के लिए पवित्र जरूर बनना है। *जहाँ पवित्रता है वहाँ शान्ति है। मेरा स्वधर्म ही शान्ति है,* मैं शान्ति के सागर बाप की सन्तान हूँ.. यह अनुभव करना है।

उत्तर 15 - C द्वापरयुग में

बाप कहते हैं तुमको विश्व का मालिक बनाए मैं फिर निर्वाणधाम में जाकर रहता हूँ। फिर *जब दु:ख शुरू होता है तब मेरा पार्ट भी शुरू होता है*। मैं सुनवाई करता हूँ, मुझे कहते भी हैं हे रहमदिल। भक्ति भी पहले अव्यभिचारी अर्थात् एक शिव की करते हैं फिर देवताओं की शुरू करते हैं।

उत्तर 16 - C हर कार्य से पहले उसके आदि मध्य अंत को देखने वाला

ब्रह्मा को ज्ञान मिलता है शिवबाबा से। फिर तुम बच्चों को मिलता है इनसे। गोया शिवबाबा तुमको ब्रह्मा तन से ज्ञान दे रहा है। *तुमको त्रिकालदर्शी बनाते हैं। मनुष्य सृष्टि में एक भी त्रिकालदर्शी कोई हो न सके। अगर होवे तो नॉलेज दे ना।

यह सृष्टि चक्र कैसे फिरता है? कभी भी कोई नॉलेज दे न सके*।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (29) खण्ड -{58}

प्रश्न 1- तुम्हें बाप समान..... बनना है, किसी को दुःख नहीं देना है, कभी क्रोध नहीं करना है ?

A- सुखकर्ता

B- दुःखहर्ता

C- मीठा

D- शांत स्वरूप

प्रश्न 2- कर्मों की गुह्य गति को जानते हुए तुम बच्चे कौन सा पाप कर्म नहीं कर सकते ?

A- काम विकार

B- क्रोध

C- लोभ

D- दान करना

प्रश्न 3- सतयुगी पद का सारा मदार किस बात पर है ?

A- याद पर

B- पवित्रता पर

C- धारणा पर

D- सेवा पर

प्रश्न 4- शिवबाबा को कहते है बम- बम महादेव। बम- बम अर्थात् ?

A- शंख- ध्वनि कर हमारी झोली भर दो

B- सिर्फ एक मुझे याद करो

C- सबसे ममत्व निकालना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- सतयुग में साहूकारी का पद किस आधार पर प्राप्त होता है ?

A- देही अभिमानी बनने से

B- पवित्रता के आधार से

C- ज्ञान की धारणा से

D- रॉयल सर्विस करने से

प्रश्न 6- सतयुग में सम्पूर्ण सुख है, सो भी 16 कला सम्पूर्ण, कलियुग में है..... ?.

A- 16 कला अपूर्ण

B- छोटी किनारी

C- आमावस की रात

D- सम्पूर्ण दुःख

प्रश्न 7- मनुष्य को सबसे अधिक दुःखी कौन करता है ?

A- रावण

B- विकार

C- देह अभिमान

D- क्रोध का भूत

प्रश्न 8- ड्रामा के नियम प्रमाण संगमयुग पर कोई न कोई विशेषता किसको मिली हुई है ?

A- पुरूषार्थी में

B- सभी मनुष्य में

C- हर ब्राह्मण आत्मा में

D- 9 लाख में

प्रश्न 9- सदा सफलतामूर्त कौन हैं ?

A- जो सदा प्रसन्न रहते हैं।

B- जो सदा दूसरों को प्रसन्न करते हैं।

C- जिसके ऊपर बाप प्रसन्न है।

D- जो सदा सेवा में मगन रहते हैं।

प्रश्न 10- दान में दी हुई चीज़ कभी भी वापिस नहीं लेना,वापिस लेंगे तो क्या होगा ?

A- पूरा वर्सा नही मिलेगा

B- आशीर्वाद के बदले श्राप मिल जायेगा

C- पद भ्रष्ट हो जाएगा

D- प्रजा में चले जायेंगे

प्रश्न 11- कौन सा शब्द कमजोरी सिद्ध करता है ?

A- अब

B- जब

C- तब

D- कब

प्रश्न 12- यह 5 विकार शैतान हैं, इनको छोड़ो। अगर मेरी नहीं मानेंगे तो ?

A- पद भ्रष्ट हो जाएगा

B- और ही बोझ चढ़ जाएगा

C- सब मिट्टी में मिल जाएगा

D- धर्मराज तंग करेंगे

प्रश्न 13- संगम की इन अमूल्य घड़ियों में.....बाप को याद करो ?

A- हर पल

B- निरन्तर

C- श्वांसों श्वांस

D- अजपाजाप

प्रश्न 14- साधन ..... बनकर यूज़ करो क्योंकि ये आपके कर्मयोग का फल हैं ?

A- साधक

B- कर्मयोगी

C- कमल पुष्प

D- श्रेष्ठ पुरूषार्थी

प्रश्न 15- अविनाशी सर्जन आत्मा को कौन सा इन्जेक्शन लगाते हैं ?

A- ज्ञान का

B- मनमनाभव का

C- मामेकम् याद का

D- जीवनमुक्ति का

प्रश्न 16- सतयुग में कौन सी चीज़ काम नहीं आती है जो भक्ति मार्ग में बाप के काम आती है ?

A- मन्दिर

B- पूजा पाठ

C- दिव्य दृष्टि

D- भक्ति

भाग (29) खण्ड {58} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - C मीठा

मीठे बच्चे - *तुम्हें बाप समान मीठा बनना है, किसी को दु:ख नहीं देना है, कभी क्रोध नहीं करना है”*

उत्तर 2 - D दान करना

आज दिन तक दान को पुण्य कर्म समझते थे, *लेकिन अब समझते हो दान करने से भी कई बार पाप बनता है* क्योंकि अगर किसी ऐसे को पैसा दिया जो पैसे से पाप करे, उसका असर भी तुम्हारी अवस्था पर अवश्य ही पड़ेगा इसलिए दान भी समझकर करना है।

उत्तर 3 - B पवित्रता पर

पवित्रता पर। तुम्हें याद में रह पवित्र जरूर बनना है। पवित्र बनने से ही सद्गति होगी। जो पवित्र नहीं बनते वे सजा खाकर अपने धर्म में चले जाते हैं।

उत्तर 4 - A शंख - ध्वनि कर हमारी झोली भर दो

तुम बच्चे इस समय इन अविनाशी ज्ञान रत्नों से झोली भरते हो। *शिवबाबा को कहते हैं बम-बम महादेव। बम-बम अर्थात् शंखध्वनि कर हमारी झोली भर दो।* नॉलेज बुद्धि में रहती है ना। आत्मा में ही संस्कार हैं। आत्मा ही पढ़कर इंजीनियर, बैरिस्टर आदि बनती है।

उत्तर 5- C ज्ञान की धारणा से

साहूकार बनते हैं ज्ञान की धारणा के आधार पर। जो जितना ज्ञान धारण करते हैं। और दान करते हैं उतना वह साहूकार पद पायेंगे, एवर हेल्दी बनेंगे। पढ़ाई पढ़नी और पढ़नी है। बाकी विश्व महाराजन बनने के लिए बहुत रॉयल सर्विस करनी है।

उत्तर 6 - A 16 कला अपूर्ण

सतयुग में सम्पूर्ण सुख है, सो भी 16 कला सम्पूर्ण। जैसे चन्द्रमा भी 16 कला सम्पूर्ण होता है फिर कला कम होते-होते अमावस्या पर कितनी छोटी किनारी रह जाती है। प्रायः अन्धियारा हो जाता है। *16 कला सम्पूर्ण, तो सम्पूर्ण सुख भी होगा। कलियुग में है 16 कला अपूर्ण तो फिर दुःख भी होता है*

उत्तर 7 - C देह अभिमान

इस सारी दुनिया को माया रूपी ग्रहण लग जाता है इसलिए बाप कहते हैं तुम्हारे में जो देह-अभिमान है, पहले-पहले उनको छोड़ो। *यह देह-अभिमान तुमको बहुत दुःख देता है। आत्मा-अभिमानी रहो तो बाप को भी याद कर सकेंगे।*

उत्तर 8- C हर ब्राह्मण आत्मा में

ड्रामा के नियम प्रमाण संगमयुग पर हर एक ब्राह्मण आत्मा को कोई-न-कोई विशेषता मिली हुई है। चाहे माला का लास्ट, 16,000 वाला दाना हो- उसको भी कोई-न-कोई विशेषता मिली हुई है।

उत्तर 9- *C.जिसके ऊपर बाप प्रसन्न है*

बापदादा बच्चों का चार्ट चेक कर रहे थे। क्या देखा? एक हैं सदा प्रसन्न रहने वाले और दूसरे हैं प्रसन्न रहने वाले। “सदा" शब्द नहीं है। प्रसन्नता भी तीन प्रकार की देखी - (1) स्वयं से प्रसन्न, (2) दूसरों द्वारा प्रसन्न, (3) सेवा द्वारा प्रसन्न। अगर तीनों में प्रसन्न हैं तो बापदादा को स्वत: ही

प्रसन्न किया है और *जिस आत्मा के ऊपर बाप प्रसन्न है वह तो सदा सफलता मूर्त है ही है।*

उत्तर 10- *B.आशीर्वाद के बदले श्राप मिल जायेगा*

यह तो समझाना चाहिए कि तुमने 5 विकार बाबा को दान दिये हैं तो फिर वापस क्यों लेते हो। *दान में दी हुई चीज़ कभी भी वापिस नहीं लेना, वापिस लेंगे तो आशीर्वाद के बदले श्राप मिल जायेगा* क्योंकि बाप के साथ धर्मराज भी है।

उत्तर 11- *D.कब*

यदि बार-बार हार होती है तो धर्मराज की मार खानी पड़ेगी और हार खाने वालों को भविष्य में हार बनाने पड़ेंगे, द्वापर से अनेक मूर्तियों को हार पहनाने पड़ेंगे इसलिए हार खाने के बजाए बलिहार हो जाओ, *“कब" शब्द कमजोरी सिद्ध करता है इसलिए “कब" करेंगे नहीं, अब करना है।*

उत्तर 12- *D.धर्मराज तंग करेंगे*

बेहद का बाप पतित-पावन आकर कहते हैं यह 5 विकार शैतान हैं, इनको छोड़ो। *अगर मेरी नहीं मानेंगे तो तुमको धर्मराज तंग करेंगे।* तुम आलमाइटी अथॉरिटी का कहना नहीं मानते हो तो धर्मराज बहुत कड़ी सज़ा देंगे। बाप आया है पावन बनाने।

उत्तर 13- *C.श्वांसों श्वांस*

इस जीवन में तुम बाप के बच्चे बन बाप से पूरा वर्सा लेते हो। इसी मनुष्य तन में पुरुषार्थ कर तुम कौड़ी से हीरे जैसा बनते हो। बेगर से प्रिन्स, इनसालवेन्ट से 100 परसेन्ट सालवेन्ट बनते हो इसलिए *संगम की इन अमूल्य घड़ियों में श्वाँसों श्वॉस बाप को याद करो,* तुम्हारी एक भी श्वाँस व्यर्थ न जाये ।

उत्तर 14- *C.कमल पुष्प*

श्रेष्ठ पुरुषार्थी उन्हें कहा जाता है जो पुरुषार्थ की प्रालब्ध को भोगने की इच्छा नहीं रखते। जहाँ इच्छा है वहाँ स्वच्छता खत्म हो जाती है ,इसीलिए *साधन कमल पुष्प बनकर यूज़ करो क्योंकि ये आपके कर्मयोग का फल हैं।*

उत्तर 15- *B.मनमनाभव का*

हर एक का सरकमस्टांश देखकर फिर राय दी जाती है। सर्जन नब्ज देखने बिना राय दे न सकें। *यह है अविनाशी सर्जन। आत्मा को मनमनाभव का इन्जेक्शन लगाते हैं।* इनका यह एक ही इन्जेक्शन है जो 21 जन्म के लिए एवरहेल्दी बना देते हैं।

उत्तर 16- *C.दिव्य दृष्टि*

दिव्य दृष्टि की चाबी। सतयुग में इस चाबी की दरकार नहीं रहती । जब भक्तिमार्ग शुरू होता है तो भक्तों को खुश करने के लिए साक्षात्कार कराना पड़ता है। उस समय यह चाबी बाप के काम आती है इसलिए बाप को दिव्य दृष्टि दाता

कहा जाता है। बाप तुम बच्चों को विश्व की बादशाही देते हैं, दिव्य दृष्टि की चाबी नहीं।